* S B - 0 0 0 4 / 2 5 0 0 *

SB-0004

First Year B. A. Examination

March / April – 2011

Hindi Compulsory

Time : **3** Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.

Name of the Examination :

☛ **F. Y. B. A.**

Name of the Subject :

☛ **Hindi Compulsory**

☛ Subject Code No. : **0 0 0 4** ☛ Section No. (1, 2,.....) : **Nil**

Seat No. :

Student's Signature

१ 'शबरी' खण्डकाव्य के आधार पर मतंग ऋषि की महानता का सोदाहरण परिचय दीजिए। १०

अथवा

१ ''मनुष्य में दृढ संकल्प एवं संघर्ष करने की भावना हो तो वह कठिन से कठिन कार्य को भी आसान बना सकता है।'' – 'शबरी' खण्डकाव्य के आधार पर इस कथन की चर्चा कीजिए।

२ (अ) टिप्पणी लिखिए : ५

(१) 'शबरी' शीर्षक की सार्थकता

अथवा

(१) 'शबरी' में प्रकृतिचित्रण

(ब) ससंदर्भ व्याख्या लिखिए : ५

''पर समाज तो सभी युगों
में ऐसा ही होता है,
अच्छे जन के ही मारग में
यह कण्टक बोता है।''

अथवा

''मिथ्या प्रवाह यह कैसा
फैलाया अज्ञजनों ने
है क्या मतंग के जैसा
चौदह समस्त भुवनों में?''

३ निम्नांकित पंक्ति का पल्लवन कीजिए : १०

'श्रम ही पूजा है।'

अथवा

'समय ही धन है'

४ प्रस्तुत परिच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : १०

આધુનિક શાસન પદ્ધતિઓમાં લોકશાહીથી ચડિયાતી અન્ય કોઈ પદ્ધતિ નથી. કારણ કે તેમાં પ્રજાને એ અધિકાર મળે છે કે તે પોતાના પ્રતિનિધિઓને ચૂંટીને વિધાનસભા અને સંસદમાં મોકલે છે. આવી સીધી ચૂંટણીઓમાં એવી જ વ્યક્તિને ચૂંટી કાઢવામાં આવે છે, જેનું જાહેરજીવન સારું હોય અને જે પ્રજાની સેવા કરતો હોય. આ પ્રણાલીમાં જનતાને એ હક્ક મળે છે કે, જો કોઈ દળ અથવા વ્યક્તિના કાર્યોથી સંતોષ ન હોય તો બીજીવાર એ દળ અથવા વ્યક્તિને પોતાનો મત ન આપે. ચૂંટણીમાં વિરોધપક્ષના પણ કેટલાંક લોકો ચૂંટાય છે, જેઓ પોતાની આલોચનાથી શાસકના સ્વેચ્છાચાર પર નિયંત્રણ રાખે છે.

५ निम्नांकित परिच्छेद का उचित शीर्षक देकर संक्षेपण कीजिए : १०

हमारे देश की यह सांस्कृतिक एकता न तो कहीं बाहर से आई है और न किसीने इसको हमारे ऊपर लादा है, यह तो हमारे अन्दर से खुद ही पैदा हुई है। हमारे देश की मिट्टी ने इसका पोषण किया है। यहाँ की कुदरत ने इसे खिलाया है, यहाँ की भाषाओं ने इसे लोरियाँ सुनाई हैं, यहाँ के इतिहास ने इसे पाला है, यहाँ के संतो ने इसे सँवारा और सुधारा है, यहाँ के धर्मों ने इसको सहनशीलता का पाठ पढ़ाया है। यहाँ के तीर्थ–त्यौहारों ने

इसको बल दिया है। यहाँ के रीति–रिवाजों ने इसको जोड़ने का काम किया है, यहाँ के लोक–साहित्य ने इसमें समानता पैदा की है। यहाँ की जनगण की भावनाओं ने इसको एकरूपता प्रदान की है। यहीं कारण है कि आज से हजारों साल पहिले हमारे पुरखोंने सांस्कृतिक एकता के जिस पौधे को लगाया था उसको यहाँ की जनता ने न केवल सँभाल कर रखा है, वरन् हर नई पीढ़ी ने अपने खून पसीने से इसको सींचा है और हजारों पीढियों की कोशिशों ने इसको आज इतना बड़ा रूप दे दिया है कि आनेवाली पीढियाँ हजारों साल तक बेखटके इसके साये में आगे बढ़ सकती हैं। हमारे लिए यह एक ऐसी वसीयत है जिस पर किसी भी देश या जाति को गर्व हो सकता है।

६ पत्र लिखिए : १०

'योगासन' का महत्व बताते हुए योगासन क्लास में शामिल होने की सूचना देते हुए सहेली सुलभा को पत्र लिखिए।

अथवा

६ छात्रालय में रहकर पढ़ाई करनेवाले पुत्र को जन्मदिन की बधाई देते हुए पिता शंकरभाई की ओर से बेटे अरूण को पत्र लिखिए।

७ सूचनानुसार लिखिए :

(१) किन्हीं **दो** के विलोम शब्द लिखिए : २

(१) अमृत

(२) स्वतंत्र

(३) स्वार्थ

(२) किन्हीं **दो** समश्रुत शब्द के अर्थ लिखिए : २

(१) शूर–सूर

(२) निधन–निर्धन

(३) प्रासाद–प्रसाद

(३) किन्हीं **दो** शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : २

(१) आँख

(२) मानव

(३) रात्रि

(४) किन्हीं **दो** मुहावरों के अर्थ लिखिए : २

(१) पेट में चूहे कूदना।

(२) रास्ते पर आना।

(३) गागर में सागर भरना।

(५) किन्हीं **दो** शब्दों को शुद्ध कर फिर से लिखिए : २

(१) राष्ट्रीय

(२) असर्मथ

(३) उज्वल